

स्पीड न्यूज़

शिशु मंदिर में मना शिक्षक दिवस



केरो। मगलवार को सरपती शिशु विद्या मंदिर में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसकी शुरुआत प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार ने राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पालि अर्पित कर व दीप प्रज्ञलित कर किया। इसके उपरांत विद्यालय के भैया बहनों ने शिक्षक दिवस पर अपने विचार व्यक्त किया। जयती प्रमुख आचार्या शति नाम ने राधाकृष्णन की जीवनी पर प्रकाश डाला। कहा कि डॉ राधाकृष्णन ने शिक्षा का केंद्र विद्यार्थी को माना है। मौके पर विद्यालय के आवार्ता आदि थे।

शिक्षक दिवस पर हुए कई कार्यक्रम

केरो। प्रखण्ड मुख्यालय के सीबीएन रेसिडेंशियल पब्लिक स्कूल उत्तरां ने शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम किया गया। जिसमें सर्वप्रथम डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के प्रतिमा एवं विधिवत पुजा-अर्चना व माल्यार्पण कर कंकाकार्टकर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसके बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य सुमर रिह ने राधाकृष्णन के जीवन के बारे में जानकारी देते हुए बच्चों को उत्कृष्ट बताये मार्ग पर चलने की अपील की। साथ ही अपने जीवन में शिक्षक व शिष्य के बीच पवित्र संबंध के बारे में भी जानकारी दी। मौके पर निदेशक विधिवत कुमार सिंह, नरेंद्र भारती, आशा कुजूर, रितु कुमारी, फिलो कुमारी, अशोक सिंह, प्रासांस मिंज थे।

शिक्षक दिवस पर स्कूलों में कार्यक्रम

भंडरा। शिक्षण संस्थाओं में मगलवार को डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया। इस उपलक्ष्य में बच्चों ने विभिन्न सारकृतीक कार्यक्रम किया। छात्रों ने शिक्षकों को उपहार भेटकर उनका सम्मान किया। बच्चों ने विधिवत रांगनांग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये। निश्चल पब्लिक स्कूल में निदेशक शमिल उत्तरां, जिप सदस्य राजमनी उत्तरां व प्रधानाचार्य ने डॉ राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला। इस दौरान बच्चों ने समूहिक नृत्य, फूट शेरियां, नाटक, भाषण समेत विभिन्न रंगरंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

14वां नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में परचम लहराने वालों का स्वागत

गुमला। ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 14वां नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में गुमला के खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। 8 गोल्ड मेडल और कुल 42 मेडल खिलाड़ियों में अपने नाम किया। मगलवार के दोपहर गुमले पहुंचने पर टावर थोक में खिलाड़ियों का जोरदार तरीके से खावत किया गया। मुख्य अधिकारी एसडीपीओ गुमला मरीषबंद लालन, थाना प्रभारी विनोद कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी। फूल माला पहनकर और मिट्टी खिलाकर खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाया। मौके पर अध्यक्ष अखिल कुमार, भाजपा के जिलाध्यक्ष अनुपचंद अधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गजराजों के आतंक से जानमाल की क्षति को लेकर डीएफओ से मिले कांग्रेसी नेता

गुमला। रांची के लालगांव में 2 से 4 सिंतंबर तक 14वां नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में गुमला के खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। 8 गोल्ड मेडल और कुल 42 मेडल खिलाड़ियों में अपने नाम किया। मगलवार के दोपहर गुमले पहुंचने पर टावर थोक में खिलाड़ियों का जोरदार तरीके से खावत किया गया। मुख्य अधिकारी एसडीपीओ गुमला मरीषबंद लालन, थाना प्रभारी विनोद कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी। फूल माला पहनकर और मिट्टी खिलाकर खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाया। मौके पर अध्यक्ष अखिल कुमार, भाजपा के जिलाध्यक्ष अनुपचंद अधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गुमला की लघर विद्युत व्यवस्था में सुधार करेगा विभाग : चैंबर अध्यक्ष

गुमला। रांची के लालगांव में 2 से 4 सिंतंबर तक 14वां नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में गुमला के खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। 8 गोल्ड मेडल और कुल 42 मेडल खिलाड़ियों में अपने नाम किया। मगलवार के दोपहर गुमले पहुंचने पर टावर थोक में खिलाड़ियों का जोरदार तरीके से खावत किया गया। मुख्य अधिकारी एसडीपीओ गुमला मरीषबंद लालन, थाना प्रभारी विनोद कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी। फूल माला पहनकर और मिट्टी खिलाकर खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाया। मौके पर अध्यक्ष अखिल कुमार, भाजपा के जिलाध्यक्ष अनुपचंद अधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सहभागी बनें लोगों ने नीरज कुमार

गुमला। गजराजों के आतंक से जानमाल की क्षति को लेकर डीएफओ से मिले कांग्रेसी नेता

गुमला। डीएफओ गुमला में शिक्षक दिवस समारोह मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ रमाकांत साह ने कहा कि शिक्षक ईश्वर द्वारा निर्वित सर्वोत्तम कृति है। एक सर्वे गुरु की गुरु दिक्षण यही है कि उसका छात्र विकास की मूलिक पर नजर आये। छात्र के माध्यम से ही शिक्षक की पहचान बनती है। प्रतिष्ठा अर्पित होती है। शिक्षक एक ऐसा दीपक है जो प्रकाश फैलाता है। विद्यार्थियों को रास्ता दिखाता है। संगीत शिक्षक श्री कौशल किंशूर महाराज ने मनमोहक गजल के अंदर अध्यक्ष पृष्ठ पर जीवन के विद्यालय को उद्घाटन किया। विद्यालय के बाहर निर्माण के लिए विद्यालय की अवधारणा दी गयी। जिनका भी नुकसान हुआ है उसे सहयोग के रूप में सरकार से जो मुआवजा दी जाती है उसे भी दिया जायेगा। मौके पर जिला महासचिव रामनिवास प्रसाद, फिरोज आलम, संविच तरुण गोप, प्रखण्ड अध्यक्ष राजेश टोप्पो, प्रखण्ड महिला अध्यक्ष पूषा आदि लोग मौजूद थे।

शिक्षक ईश्वर द्वारा निर्वित सर्वोत्तम कृति

गुमला। डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला में शिक्षक दिवस समारोह मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ रमाकांत साह ने कहा कि शिक्षक ईश्वर द्वारा निर्वित सर्वोत्तम कृति है। एक सर्वे गुरु की गुरु दिक्षण यही है कि उसका छात्र विकास की मूलिक पर नजर आये। छात्र के माध्यम से ही शिक्षक की पहचान बनती है। प्रतिष्ठा अर्पित होती है। शिक्षक एक ऐसा दीपक है जो प्रकाश फैलाता है। विद्यार्थियों को रास्ता दिखाता है। संगीत शिक्षक श्री कौशल किंशूर महाराज ने मनमोहक गजल के अंदर अध्यक्ष पृष्ठ पर जीवन के विद्यालय को उद्घाटन किया। विद्यालय के बाहर निर्माण के लिए विद्यालय की अवधारणा दी गयी। जिनका भी नुकसान हुआ है उसे सहयोग के रूप में सरकार से जो मुआवजा दी जाती है उसे भी दिया जायेगा।

गुमला की लघर विद्युत व्यवस्था में सुधार करेगा विभाग : चैंबर अध्यक्ष

गुमला। डीएफओ गुमला में शिक्षक दिवस समारोह मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ रमाकांत साह ने कहा कि शिक्षक ईश्वर द्वारा निर्वित सर्वोत्तम कृति है। एक सर्वे गुरु की गुरु दिक्षण यही है कि उसका छात्र विकास की मूलिक पर नजर आये। छात्र के माध्यम से ही शिक्षक की पहचान बनती है। प्रतिष्ठा अर्पित होती है। शिक्षक एक ऐसा दीपक है जो प्रकाश फैलाता है। विद्यार्थियों को रास्ता दिखाता है। संगीत शिक्षक श्री कौशल किंशूर महाराज ने मनमोहक गजल के अंदर अध्यक्ष पृष्ठ पर जीवन के विद्यालय को उद्घाटन किया। विद्यालय के बाहर निर्माण के लिए विद्यालय की अवधारणा दी गयी। जिनका भी नुकसान हुआ है उसे सहयोग के रूप में सरकार से जो मुआवजा दी जाती है उसे भी दिया जायेगा।

खबर छपने के बाद जिला से जांच शिक्षक हमारे समाज के स्तंभ : अजीत शुक्ला

टीम पहुंची भंडरा कस्तूरबा विद्यालय



खबर मन्त्र संवाददाता

भंडरा। खबर मन्त्र में मंगलवार को बाद जिला से जांच शिक्षक हमारे समाज के स्तंभ : अजीत शुक्ला

टीम पहुंची भंडरा कस्तूरबा विद्यालय

विद्यालय की प्रभारी सपना सिंह जीवन के साथ खिलाड़ी करने वाले शिक्षकों पर कही

कारबाही की जाई। जांच करने आये और ऑफिस ट्रैकिंग विद्युत जावे करने पर कारबाही वही वर्ती रहती है। इसके बाद जिला से जांच शिक्षक हमारे समाज के स्तंभ : अजीत शुक्ला

टीम पहुंची उत्तरां जिप सदस्य

विद्यालय की प्रभारी सपना सिंह जीवन के साथ खिलाड़ी करने वाले शिक्षकों पर कही

कारबाही की जाई। जांच करने आये और ऑफिस ट्रैकिंग विद्युत जावे करने पर कारबाही वही वर्ती रहती है। इसके बाद जिला से जांच शिक्षक हमारे समाज के स्तंभ : अजीत शुक्ला

टीम पहुंची उत्तरां जिप सदस्य

विद्यालय की प्रभारी सपना सिंह जीवन के साथ खिलाड़ी करने वाले शिक्षकों पर कही

कारबाही की जाई। जांच करने आये और ऑफिस ट्रैकिंग विद्युत जावे करने पर कारबाही वही वर्ती रहती है। इसके बाद जिला से जांच शिक्षक हमारे समाज के स्तंभ : अजीत शुक्ला

टीम पहुंची उत्तरां जिप सदस्य

विद्यालय



सनातन धर्म का विरोध गहरी

राजनीति का हिस्सा : सुशील

पटना। राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोटी ने जी-20 समेत पर आयोजित रात्रि भजन के लिए अंग्रेजी में लिखे आमंत्रण पत्र में प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखे जाने के विरोध पर कहा कि यह भी सनातन धर्म और हिंदू संस्कृति का विरोध गहरी राजनीति का हिस्सा है। यह देश सदियों से भारत है जबकि इंडिया अंग्रेजों का दिया हुआ नाम है। मोटी ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि विपक्षी गठबन्धन के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करने की हड पार करते हुए अब भारत, सनातन धर्म और हिंदू संस्कृति का भी विरोध करने पर उत्तर गए हैं। उन्होंने कहा कि किंवदं संवैधान मूलतः अंग्रेजी में लिखा गया। इसलिए उसमें भारत और इंडिया दोनों शब्दों का प्रयोग हुआ। दोनों शब्द संवैधानिक हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में किसी भी देश के दो नाम नहीं है। नाम का अनुवाद नहीं होता।

बाढ़ के पानी में डूबने से किशोरी की मौत

सहरान। जिले के सलखुआ थाना क्षेत्र के गोसपुर- कोरलाला सड़क के छह पुलिया बहियार के आरसीसी पुल में नहाने के दोरान एक किशोरी डूब गई। गोताखारों ने उसे निकला तब तक वह दम तोड़ चुकी थी। मृत किशोरी गोसपुर गांव गई दो निवासी चुनौती यादव की 10 वर्षीय पुत्री सपन कुमारी है। वह अन्य बच्चों के साथ मंदिरी के लिए घास लाने गई थी। वह बच्चे के साथ छहपुलिया बहियार के आरसीसी पुल के बाहर बाढ़ के पानी में नहाने लगी। दो दोरान वह गहरे पानी में चली गई और डूब गई। बच्चों ने दोषकर इस घटना की जानकारी गोताखालों को व उनके परिजन को दी। घटना की सूचना के बाद गोताखालों के प्रयास से उसे बाहर निकाला गया। थानाधाक्ष गुहु कुमार ने मामला दर्ज कर शक्ति को बढ़ावा दी तो लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

बीमारियों की रोकथाम के लिए ब्लीचिंग पाउडर का

छिक्काव हो : त्रिशानु वाईबासा। 1. प. सिंहभूम जिला बीस सरी सदस्य सांसद प्रतिनिधि निशानु राय ने मंगलवार को नार परिषद चाईबासा का कार्यालयक पदाधिकारी प्रतिभा रानी से मुलाकात कर बरसाती एवं वेटर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए शहरी क्षेत्र में सफाई अभियान, फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की मांग की है। त्रिशानु राय ने कहा कि बरसात के कारण संक्रमण फैलने की आशंका है। वर्तमान में सदर अस्पताल चाईबासा में बरसाती बीमारियों के मरीजों की सख्ती काफी बढ़ा गई है। मच्छर काटने से डॅंगू मरेंगी, फैलेंगी व वेटर जनित बीमारियों एवं वेटर जनित में जारी रही है। भविष्य में इसका प्रकाप ढहने की संभावना से इकार नहीं किया जा सकता है। इसीलिए समय रहते बरसाती बीमारियों एवं वेटर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए जारी रही है। जिसमें अप्रैल, अप्रैल तक वेटर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए शहरी क्षेत्र में सफाई अभियान, फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना बनाए जाने की नितान आवश्यकता है।

नोटिस

न्यायालय सिविल जज सिनियर विभिन्न, गुमला।

ओरंगजाल सूत नवर- 47/17

प्रदूमन पाठक - वादी बनाम विंता देवी- प्रतापदी

नोटिस विधिविधायी संस्था - 2

राजशरण पाठक पिंता स्ट. गोवन

पाठक ग्राम सोहल थाना घासरा जिला गुमला। वर्षायिते न्यायालय में टाईटल वाद दायर किया गया। जिसमें आपको उपस्थिति है तथा आप की उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन, फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना बनाए जाने की नितान आवश्यकता है।

प्रतिवादी संपर्क विधिविधायी संस्था - 2

राजशरण पाठक पिंता स्ट. गोवन

पाठक ग्राम सोहल थाना घासरा जिला गुमला। वर्षायिते न्यायालय में टाईटल वाद

दायर किया गया। जिसमें आपको

उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव करवाने की योजना जारी रही है। अतः आपको उपस्थिति है तथा आप की

उपस्थिति है तथा यात्रा अन्यायन,

फॉरेंग, ल्लीचिंग छिक्काव कर



विदेशी नेहनानों की

सुरक्षा को डेढ़ सौ

घरेलू उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली। देश की घरती पर उत्तर से वाले विदेशी अतिविशेष

मेहमानों की सुरक्षा और स्वागत में

कहीं कोई कमी न आ जाए।

इसलिए इंदिरा गांधी इंटरनेशनल

एयरपोर्ट से घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

इस से छह फ्रिज़ी

घरेलू विमानों की आवाजाही पर

असर पड़े। इस से छह फ्रिज़ी

घरेलू विमानों की आवाजाही पर

असर पड़े।

अंतरिक्ष एजेंसी ने

आदित्य एल-1 ने पृथ्वी की दूसरी कक्षा में लगायी छलांग

एजेंसी

बैंगलुरु। देश के पहले सूर्य मिशन आदित्य एल-1 की पृथ्वी की कक्षा से संबंधित दूसरी प्रक्रिया मंगलवार तड़के सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यह जानकारी दी। इसरो के मुताबिक, कक्षा संबंधी दूसरी प्रक्रिया को बैंगलुरु स्थित इसरो टेलीमेट्री, ड्रैगेंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) से अंजाम दिया गया। आदित्य एल-1 की पृथ्वी की कक्षा से संबंधित तीसरी

इसरो ने सूर्य की ओर बढ़ाया एक और कदम



सोशल मीडिया में एक पोर्ट

दूसरी प्रक्रिया (ईडीएन-2)

आईएसटीआरएसी, बैंगलुरु से

तीसरी प्रक्रिया 10 सितंबर को

रात में कीरीबाई बजे होगी।

सफलतापूर्वक निष्पादित की गई।

भारतीयस, बैंगलुरु और पोर्ट ब्लेयर

में आईएसटीआरएसी/इसरो के

केंद्रों ने इस अभियान के दौरान

उपग्रह की निगरानी की। प्राप्त की

गई नयी कक्षा 282 किलोमीटर

गुणा 40225 किलोमीटर है। इसरो

ने बताया कि आदित्य एल-1 की

पृथ्वी की कक्षा से संबंधित तीसरी

सफलतापूर्वक निष्पादित की गई।

प्राप्त की गई नयी कक्षा 282 किलोमीटर

गुणा 40225 किलोमीटर है। इसरो

ने बताया कि आदित्य एल-1 की

सितंबर को अंग्रेज बिंदु

एल-1 की तरफ स्थानांतरण कक्षा

संबंधी दो और प्रक्रियाओं से

गुजरना होगा। इस उपग्रह के

लगभग 127 दिनों के बाद एल-1

बिंदु पर इच्छित कक्षा में पहुंचने की

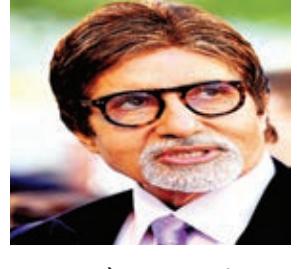
कींगपीटा को अंग्रेज प्रदेश के

श्रीहिंदूकोटा स्थित सतीश धनव

प्रक्रिया 10 सितंबर, 2023 को भारतीय समयगुस्सार देर रात लगभग ढाई बजे निर्धारित है। इस उपग्रह की कक्षा संबंधी पहली भारतीय अंतरिक्ष आधारित वेश्वशाला है, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर स्थित पहले सूर्य-पृथ्वी लैंगेजिन बिंदु (एल-1) में रहकर सूरज के बाहरी वातावरण का अध्ययन करेगी। इसरो के धूर्यों उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएल-सी-सी-57) ने दो बताया कि आदित्य एल-1 की तरफ स्थानांतरण कक्षा संबंधी दो और प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। इस उपग्रह के लगभग 127 दिनों के बाद एल-1 बिंदु पर इच्छित कक्षा में पहुंचने की संभावना है।

निमंत्रण पर उठे विवादों बीच बिंग बी का ट्रीट भारत माता की जय

एजेंसी



बल मिला है कि सरकार देश का नाम से जीवी के राष्ट्रियोज के लिए निमंत्रण पत्र को लेकर उठे विवाद के बीच बॉलीवुड अभिनेता अपिनाथ वचन ने मंगलवार को कहा कि भारत माता की जय।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने

मंगलवार को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत माता की जय।

उपर्युक्तों को मंगलवार को बताया कि भारत म

यशोदा का नंदलाला जह का दुलारा...



हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, लगभग 5000 साल पहले, भगवान विष्णु के आठवें अवतार का जन्म हुआ था, जो जल्दी सबसे महत्वपूर्ण हिंदू देवताओं में से एक के रूप में प्रतिष्ठित होने लगे। यह भगवान् तेजतरीं और प्रसान्नतिंचत, यह कुख्यात देवत भक्तों के बीच पसंदीदा बन गया, जो वयस्क और बचपन दोनों रूपों में उनकी पूजा करते हैं। उनका जन्मदिन हर साल पूरे भारत में कृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है। लोग उपवास करते हैं, अपने घरों को सजाते हैं, और भगवान को चढ़ाने के लिए व्यंजन तैयार करते हैं; इस दिन के

सभी अनुष्ठानों का पालन करें।

जन्माष्टमी (आठ)। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, यह त्योहार भाद्रपद (आष्टां-सिंतर) के महीने में कृष्ण पक्ष (अध्येर पक्षवाड़े) के आठवें दिन (अष्टमी) का मनाया

जाता है। यह त्योहार पूरे भारत में मनाया जाता है।

हालांकि, भारत में दो जगहें ऐसी हैं, जहाँ यह त्योहार बेजों उत्सव और भव्यता के साथ मनाया जाता है। वे हैं मथुरा और वृन्दावन; वहाँ भगवान् कृष्ण का जन्मस्थान है जबकि दूसरा वह स्थान है जहाँ उन्होंने अपना विषय बिताया था। इन स्थानों पर होने वाले उत्सव अंगोंहोते हैं और तुनियाँ भर से लोग अनुष्ठानों और कार्यक्रमों को देखने और उत्सव में भाग लेने के लिए इकट्ठा होते हैं। अधिकांश भक्त दिन भर वृन्दावन में कार्यक्रमों और उत्सवों को देखने में बिताते हैं और शाम को भगवान के जन्म का जश्न मनाने के लिए मथुरा जाते हैं।

जन्माष्टमी तिथि 2023

श्रावण माह में मनाई जाने वाली कृष्ण जन्माष्टमी कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को आती है। आपतौर पर ग्रेगोरियन

कैलेंडर में अगस्त या सितंबर के महीने में पड़ने वाली, वृन्दावन का पवित्र शहर वह स्थान है जहाँ कृष्ण ने अपना बचपन और किशोरावस्था बिताई। यमुना नदी के तट पर विश्व, वृन्दावन वह स्थान है जहाँ उन्होंने अपना विषय बिताया था। इन स्थानों पर होने वाले उत्सव अंगोंहोते हैं और तुनियाँ भर से लोग अनुष्ठानों और कार्यक्रमों को देखने और उत्सव में भाग लेने के लिए इकट्ठा होते हैं। अधिकांश भक्त दिन भर वृन्दावन में कार्यक्रमों और उत्सवों को देखने में बिताते हैं और शाम को भगवान के जन्म का जश्न मनाने के लिए मथुरा जाते हैं।

वृन्दावन में 4000 से अधिक मंदिर हैं जिनमें से बाके विहारी मंदिर, रंगनाथजी मंदिर, इस्कॉन मंदिर, राधारमण मंदिर, कुछ प्रमुख मंदिर हैं जहाँ लोग अपने समारोहों और अनुष्ठानिक कार्यक्रमों के लिए आते हैं।

जन्माष्टमी तिथि 2023

श्रावण माह में मनाई जाने वाली कृष्ण जन्माष्टमी कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को आती है। आपतौर पर ग्रेगोरियन

पूरे दिन होते हैं। विशेष रूप से 'अधिष्ठेक' जो समारोह शुरू होने से पहले भगवान् कृष्ण का वय अनुष्ठानिक स्थान है माना जाता है कि मधुबन, यमुना नदी के पास का क्षेत्र है। श्री कृष्ण परम सत्य और सर्वशक्तिमान है। श्री कृष्ण की भक्ति में असीम शक्ति है। श्री कृष्ण गीता उपदेश में सदा जीवित रहेंगे। श्री कृष्ण के अंदर सुष्ठु का प्रारंभ और अंत दोनों विद्यमान है।

भगवत् पुराण के अनुसार भगवान् श्री कृष्ण, भगवान् विष्णु के आठवें अवतार के रूप में द्वापर में सदा धरा पर रहकर सब सुखों को भोक्ते हुए बहुत ही सहजता के साथ जीवन व्यतीकरता है। कृष्ण की भक्ति से भक्त के अंदर साक्षी भाव से जीवन जीने की कला स्वतः उत्पन्न होती है। श्री कृष्ण परम सत्य और सर्वशक्तिमान है। श्री कृष्ण की भक्ति में असीम शक्ति है। श्री कृष्ण गीता उपदेश में सदा जीवित रहेंगे। श्री कृष्ण के अंदर सुष्ठु का प्रारंभ और अंत दोनों विद्यमान है।

भगवत् पुराण के अनुसार भगवान् श्री कृष्ण, भगवान् विष्णु के आठवें अवतार के रूप में द्वापर में सदा धरा पर रहकर सब सुखों को भोक्ते हुए बहुत ही सहजता के साथ जीवन व्यतीकरता है। उन्होंने मानव कल्याण के लिए जो उपदेश दिया, उसकी प्रासादिकता हर काल में बनी रहेगी। भगवान् श्री कृष्ण का प्रादुर्भाव इस धरा पर धर्म की स्थापना के लिए हुआ। श्री कृष्ण का क्षेत्र जिन विकट परिस्थितियों में हुआ, जिन परिस्थितियों में श्री कृष्ण ने समय के साथ अपनी धारा में मोड़ कर एक इतिहास रच दिया। ऐसा सिफ़िक विस्तीर्णी अवतारी पुरुष से ही संभव था। उसके पूर्व इस तरह की कोई भी घटना किसी धर्म ग्रंथ में दर्ज नहीं है।

आज जितनी भी लड़ाइयाँ और प्रेसनियाँ भरा रहा और देखने को आदर्श हैं और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने से पहले प्रसिद्ध प्रदर्शन देखने के लिए मधुबन आते हैं।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता है और सजाया जाता है क्योंकि वहाँ रासलीलाएँ और नाटक किए जाते हैं लेकिन केवल दिन के समय। अधिकांश भक्त और पर्यटक मथुरा जाने की विशेष रूप से योग्य स्थान है।

हालांकि, मधुबन को जन्माष्टमी के दौरान उज्ज्वल रोशनी से सजाया जाता